प्राक्कथन

भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक का यह निष्पादन प्रतिवेदन भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक के निष्पादन लेखापरीक्षा दिशा-निर्देशों और लेखा एवं लेखापरीक्षा विनियम 2007 के अनुसार तैयार किया गया है।

फरवरी 2006 में, मंगलूर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड ने ₹7,943 करोड़ की अनुमानित लागत के साथ रिफाइनरी उन्नयन परियोजना शुरू करने का निर्णय लिया। विभिन्न इकाईयों को जोड़ने, उन्हें हटाने एवं उनकी क्षमता में परिवर्तन के कारण समय-समय पर लागत में परिवर्तन हुआ। परियोजना अगस्त 2013 से जून 2015 की अवधि के दौरान पूर्ण हुई। मार्च 2016 तक, कंपनी द्वारा परियोजना पर किया गया कुल व्यय ₹14,832 करोड़ था।

यह निष्पादन लेखापरीक्षा, परियोजना के निष्पादन में मितव्ययिता, दक्षता एवं प्रभावकारिता की जांच करने तथा रिफाइनरी प्रचालन की समीक्षा करने के उद्देश्य से की गई थी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इसका निष्पादन मितव्ययी एवं दक्ष तरीके से किया गया था।

लेखापरीक्षा ने परियोजना के योजना चरण में कमियां देखी जिसके कारण समय और लागत बढ़ गई। लेखापरीक्षा ने यह भी देखा कि कई कारकों जैसे कि प्रसंस्करण इकाइयों की क्षमता के अनुरूप कच्चे तेल की योजना में कमियां, विलम्बित संस्थापन, चालू इकाइयों का अन्य मौजूदा/नई द्वितीयक प्रसंस्करण इकाइयों के साथ सिंक्रोनाइजेशन, ईष्टतम क्षमता से कम पर प्रचालन आदि के कारण रिफाइनरी इकाइयों के प्रचालन की कार्यक्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। इसके अतिरिक्त, विभिन्न सांविधिक प्राधिकरणों द्वारा पर्यावरण संरक्षण पर जारी दिशा-निर्देशों का अननुपालन भी देखा गया था।

लेखापरीक्षा ने सिफारिश की है कि भविष्य में समय और लागत में वृद्धि से बचने तथा प्रसंस्करण इकाइयों की निष्क्रियता एवं कम उपयोग से बचने के लिए इनका क्रमवार समापन एवं समुचित एकीकरण सुनिश्चित करने के लिए परियोजनाओं के निर्धारण से पूर्व कंपनी एक व्यापक योजना बनाए।

लेखापरीक्षा विभाग इस निष्पादन लेखापरीक्षा के आयोजन में मंगलूर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड एवं पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा दी गई सहायता एवं सहयोग के लिए आभार व्यक्त करता है।